प्रयास किया। सामाजिक दृष्टि से इसका महत्व कम नहीं है।

15.8 राष्ट्रीय आन्दोलन (National Movement)

राष्ट्रीय आन्दोलन के अन्तर्गत उन सामाजिक आंदोलनों को सम्मिलित किया जा सकता है जो मुख्यतः राष्ट्र की स्वतन्त्रता, सम्प्रभुता, राष्ट्रीय एकात्मकता तथा राष्ट्रीय संगठन से सम्बन्धित होते हैं। विदेशी चंगुल से राष्ट्र को स्वतन्त्र कराने का प्रयास अथवा अपने ही राष्ट्र में व्याप्त बुराइयों को समाप्त करने सम्बन्धी आंदोलन इसी श्रेणी में आते हैं। भारत का स्वतन्त्रता आंदोलन गाँधी जी का भारत छोड़ो आन्दोलन, नमक सत्याग्रह, सर्वोदय आदि आन्दोलन राष्ट्रीय आन्दोलन हैं।

Scanned with CamScan

राष्ट्रीय आन्दोलन की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं–

(Main Characteristics of National Movement)

1. राष्ट्रीय आंदोलन ने भारतीयों में आत्म सम्मान और आत्म विश्वास की भावना उत्पन्न की। तिलक और विपिनचन्द्र पाल जैसे नेताओं ने जनता को आत्म सम्मान का सन्देश दिया। उन्होंने जनता को सिखाया कि उनकी बुरी अवस्था को दूर करने का उपाय उनके अपने ही हाथों में है। आत्म विश्वास ने राष्ट्रीय आन्दोलन का विस्तार करने की प्रेरणा को भी जन्म दिया।

2. राष्ट्रीय आन्दोलन ने शिक्षा प्रसार के वैचारिक पहलू को महत्त्व प्रदान किया। शिक्षित भारतीयों को संख्या बढ़ने के साथ ही जनतन्त्र, राष्ट्रवाद, और आमूल परिवर्तन से सम्बन्धित पाश्चात्य विचारों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता गया। शिक्षित भारतीय जुझारु राष्ट्रवाद के सबसे अच्छे प्रचारक और अपनाने वाले हो गये।

3. राष्ट्रवादी आन्दोलन ने देश में व्याप्त सामाजिक बुराइयों के प्रति लोगों में जनमत तैयार किया जिसके परिणामस्वरूप छुआछूत, बाल-विवाह, विधवा-विवाह जैसी समस्याओं को दूर करने हेतु अधिनियम बने।

4. स्त्रियों एवं अनुसूचित जातियों को समाज में समानता का अधिकार दिलाने में राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रमुख स्थान रहा है।

5. राष्ट्रीय आंदोलन की सफलता हेतु गाँधी जी ने सामाजिक सुधार के लिए अनेकों प्रयास किया। उन्होंने समाज सुधार हेतु सत्याग्रह आन्दोलन, सर्वोदय आंदोलन आदि आंदोलन किये।

15.9 गाँधीजी का सुधार सम्बन्धी विचार